THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI RAJEEV SHUKLA): Sir, Government is seized of the situation and the Minister of External Affairs is also aware of this situation. Recently the President of India had also been there. So, I will convey the feelings of the House to the Minister of External Affairs and he will do whatever is possible.

Pathetic condition of health services in Dhanbad and adjacent districts in Jharkhand

श्री संजीव कुमार (झारखंड) : श्रद्धेय उपसभापति महोदय, मैं इस सदन का, सरकार का और खासकर कोयला मंत्रालय का ध्यान झारखंड के धनबाद, गिरडीह एवं बोकारो जिले में अच्छे अस्पताल न होने के कारण चिकित्सा के क्षेत्र में acute problem face कर रही जनता की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

महोदय, धनबाद में बीसीसीएल है, ईसीएल है, जहां दिन-रात कोयले की खुदाई व ट्रांसपोर्टेशन होता है। वहीं से थोड़ी दूर पर मैथन पावर लिमिटेड है, जहां बिजली बनाने के लिए रोज 11000 टन कोयला झोंका जाता है। दूसरी ओर, साथ में गिरिडीह डिस्ट्रिक्ट है, जहां ओपन कास्ट माइनिंग है और छोटे-मोटे कल-कारखाने हैं। महोदय, साथ में बोकारो स्टील सिटी है, जहां रात-दिन कल-कारखानें चलते रहते हैं। महोदय, कोयले के खनन पर ट्रांसपोर्टेशन में और फैक्ट्रीज चलने के कारण वहां पर बराबर पॉल्यूशन फैला रहता है, उन इलाकों में धूल व धुंए का बादल बिछा रहता है, लेकिन वहां पर चिकित्सा के नाम पर कोई अच्छी सुविधा नहीं हैं। महोदय, 1948 में बाबू जगजीवन राम जी ने एक सेंट्रल हॉस्पीटल का उद्घाटन किया था जोकि आज कोल इंडिया की देखरेख में चल रहा है। दूसरा, राजेन्द्र मेडिकल कॉलेज है, जोकि खुद बीमार हो गया है। महोदय, ज्यादा-से-ज्यादा लोग जो बोकारो, गिरिडीह या धनबाद के हॉस्पीटल्स में जाते हैं, उन्हें तुरंत दूसरी जगह रेफर कर दिया जाता है। उनको बिना देखे बोल दिया जाता है कि या तो वेल्लोर ले जाओ या दिल्ली ले जाओ।

महोदय, जो लोग वहां पर बीमार पड़ते हैं, ये वही लोग हैं जिनकी जमीन ली गई हैं और जिनकी जमीनों से कोयला निकाला जाता है। जब वे वेल्लोर जाते हैं या दिल्ली जाते हैं तो उनके पास जो थोड़ी सी भी जमीन बची होती है उसको भी उन्हें बेचना पड़ता है। मैं आपके माध्यम से कोल मिनिस्ट्री से, सरकार से यह मांग करता हूं कि जो कोल इंडिया का सीएसआर फंड है, उसके तहत धनबाद में या धनबाद के आसपास एक कोई मॉडर्न हॉस्पिटल बनाया जाए, जो आधुनिक उपकरणों से लैस हो, ताकि वहां के लोगों को वेल्लोर या दिल्ली न जाना पड़े। यदि ऐसा होता है, तो यह उन लोगों के लिए एक सही और सच्ची श्रद्धांजलि

होगी, जिनकी जमीन लेकर वहां से कोयला, तांबा और लोहा निकाला गया है और जो चिकित्सा के अभाव में मर गए हैं। उनके लिए यह एक सही श्रद्धांजलि होगी।

महोदय, मैं एक दूसरी प्रार्थना करता हूं कि हम जो सवाल उठाते हैं, उनका जबाव नहीं आता है।

श्री उपसभापति : आपका टाइम हो गया है।

श्री संजीव कुमार : सर, मैं चाहूंगा कि कम-से-कम कोयला मंत्रालय इसका जवाब अवश्य दे।

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी (गुजरात) : सर, मैं एसोसिएट करती हूं।

Situation arising out of *Pada Yatra* by *"Save Yamuna Rakshak Dal"*

श्री दर्शन सिंह यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, सभी को यह विदित है कि मथुरा के वृन्दावन से एक मार्च से यमुना बचाव यात्रा चली हुई है और आज सात मार्च है। इस संबंध में हर समाचार-पत्र के मुख्य पृष्ठ पर या अंदर लीड न्यूज लगी हुई है और टीवी चैनल्स पर भी बोला जा रहा है। आज की स्थिति यह है कि यमुना का जल इतना प्रदूषित हो गया है कि होई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट स्ट्रिक्चर पास करता रहा है। इस पर खर्चे भी होते रहे, लेकिन जितना खर्चा हुआ, उससे इसका जल अधिक प्रदूषित होता गया, प्रदूषित हो गया। इसका कारण है कि इसके किनारे जितने शहर और कस्बे हैं, उनका पूरा जल-मल उसी यमुना में आ रहा है और किनारे पर फैक्ट्रियां लगाने का जैसे एक तांता लग गया है। सन् 2000 में जहां 81 बड़े कारखाने थे, आज मैं समझता हूं कि 500 से ज्यादा कारखाने लगे हुए हैं, जिनसे वह जल प्रदूषित हो रहा है। इसको लेकर पुरुष, महिला, बच्चे सभी चले आ रहे हैं। यह ऐसा मुद्दा है, जिससे हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई जीव-जन्तु, साधारण-जन सभी प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए मुझे अनुरोध करना था कि इस पर सरकार विचार करे और निर्णय ले।

मान्यवर, यही नहीं कि सिर्फ यमुना का जल प्रदूषित हो रहा है, बल्कि इससे जो पानी सोखता है, रीचार्ज होता है तो उससे भूगर्भ में जल उतना ही प्रदूषित हो जाता है। इसी जल को हम लोग हैंडपंप या ट्यूबवेल से निकालते हैं, उसको पीते हैं और बीमार हो जाते हैं। यह बात हम लोगों को समझ लेना चाहिए कि जहां-जहां चमड़े के कारखाने हैं, वहां से क्रोमियम निकलता है और निश्चित रूप से इस क्रोमियम से व्यक्तियों को कैंसर की बीमारी होती है, स्नायु विकार होता है। इसके अलावा इस जल में आर्सेनिक पड़ा हुआ है, कैडमियम का अंश पड़ा हुआ है। इन सारी बातों को सोचते हुए आज लोग बहुत बड़ी संख्या में इस यमुना बचाव यात्रा पर निकले हुए हैं। कुछ वर्ष पहले भी यह यात्रा आई थी, लेकिन अब एक ला एंड ऑर्डर का सवाल हो गया है।

श्री उपसभापति : आपका टाइम खत्म हो गया है।